

न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर शिविर, भोपाल

विधि सं. 0339/2019/सीहोर/शुभरत
/ भू-राजस्व / अभ्यावेदन / सीहोर / 2018 /

श्रीमती सीताबाई पत्नि स्व० श्री हेमराज
निवासी-ग्राम बायां, तह०-रेहटी,

हाल मुकाम-जेपी मार्केट नसरुल्लागंज,
जिला-सीहोर (म०प्र०)

---आवेदक/अभ्यावेदक

विरुद्ध

श्रीमती प्रमिलाबाई

पत्नि श्री धुवनारायण मिश्रा

कृषक ग्राम-वीवदा,

निवासी-पटवारी कॉलोनी, महेद्रा ट्रेक्टर

शोरूम गली, बावई रोड, होशंगाबाद,

होशंगाबाद (म०प्र०)

प्रत्यर्थी

दिनांक 20/12/18 को
श्री. श्री. मेहराज सिंह
के द्वारा क०प्र० भोपाल
पा. सहज
20/12/18

अभ्यावेदन अंतर्गत धारा-8 म.प्र. भू-राजस्व संहिता-1959

महोदय,

अभ्यावेदन श्रीमान आयुक्त महोदय भोपाल संभाग भोपाल के प्र०कं०-62/अपील/17-18 में पारित आदेश दिनांक 13.12.2018 जिसके द्वारा अ०वि०अ० महोदय, बुधनी द्वारा प्र०कं०-33/अपील/15-16 में पारित आदेश दिनांक 23.10.17 एवं तहसीलदार महोदय रेहटी के प्र०कं०-3/अ-70/14-15 में पारित आदेश दिनांक 12.11.2015 स्थिर रखा, से दुःखित एवं असंतुष्ट होकर निम्नानुसार अभ्यावेदन/आवेदन समयावधि में प्रस्तुत है।

प्रकरण के तथ्य

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रत्यर्थी ने अपनी कृषि भूमि खसरा कं०-56 के सीमांकन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर से प्र०कं०-30/अ-12/13-14 दर्ज होकर तथाकथित अवैध सीमांकन दिनांक 19.05.2014 के आधार पर विचारण न्यायालय में धारा-250 म०प्र० भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें अभ्यावेदक को न तो सीमांकन प्रकरण और न ही धारा-250 के प्रकरण में विधिवत

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक

वि.सं.प्र. 339/2019 सी.जे.एम.

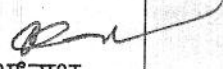
स्थान तथा दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

29-3-2019

आवेदक की ओर से श्री मेहरवान सिंह, अभिभाषक अनुपस्थित । प्रकरण का ग्राह्यता के बिन्दु पर अवलोकन किया गया । आवेदक द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे संक्षेप में संहिता कहा जायेगा) की धारा 8 के अन्तर्गत यह अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया है । संहिता की धारा 8 के अंतर्गत मंडल को प्रशासकीय नियंत्रण की शक्तियां दी गई । इस धारा का उपयोग न्यायिक शक्तियों के लिए नहीं किया जा सकता है, जबकि अभ्यावेदन के माध्यम से न्यायिक विचारण के बिन्दु उठाए गए हैं। अतः यह अभ्यावेदन अमान्य किया जाता है ।


अध्यक्ष


अध्यक्ष